



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 521] नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 30, 1974/पौष 9, 1896

No. 521] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 30, 1974/PAUSA 9, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

NOTIFICATION

INCOME-TAX

New Delhi, the 30th December 1974

S.O. 738(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and rule 92 of the Second Schedule to that Act, the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax (Certificate Proceedings) Rules, 1962, namely:—

1. These rules may be called the Income-tax (Certificate Proceedings) (Amendment) Rules, 1974.

2. In the Income-tax (Certificate Proceedings) Rules, 1962—

(a) in rule 55B,—

(i) in clause (a) of sub-rule (2), for the words “a legal practitioner”, the words “an authorised representative” shall be substituted;

(ii) after sub-rule (7), the following sub-rule shall be inserted, namely:—

“(8) Every appeal shall be disposed of by the Tax Recovery Commissioner as expeditiously as possible and endeavour shall be made to dispose of the appeal within six months from the date on which it is presented.”;

(b) in rule 62,—

(i) in sub-rule (1), for the words “any legal practitioner who is entitled to practice in any civil court in India”, the words “an authorised representative” shall be substituted;

(ii) after sub-rule (1), the following *Explanation* shall be inserted, namely:—

“*Explanation.*—For the purposes of this sub-rule, “authorised representative” shall have the meaning assigned to it in clauses (iii) to (vii) of sub-section (2) of section 288.”

[No. 807/F. No. 142(38)/74-TPI]

O. P. BHARDWAJ,

Secy. Central Board of Direct Taxes.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

अधिसूचना

आय-कर

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1974

क्र० आ० 738 (अ) .—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 की उपाधारा (1) तथा उक्त अधिनियम की द्वितीय अनुसूची के नियम 92 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर (प्रमाण-पत्र कार्यवाहियाँ) नियम, 1962 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात्:—

1. इन नियमों का नाम आय-कर (प्रमाण-पत्र कार्यवाहियाँ) (संशोधन) नियम, 1974 है ।

2. आय-कर (प्रमाण-पत्र कार्यवाहियाँ) नियम, 1962 में—

(क) नियम 55ख में,—

(i) उपनियम (2) के खण्ड (क) में, “विवि व्यवसायी” शब्दों के स्थान पर “प्राधिकृत प्रतिनिधि” शब्द रखे जाएंगे ;

(ii) उपनियम (7) के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

“(8) कर बसुनी आयुक्त द्वारा प्रत्येक शरील का निपटारा यथासम्भव शीघ्रता से किया जाएगा और जिस तारीख को अपील पेश की गई हो उस से छह मास के भीतर अपील का निपटारा करने का प्रयास किया जाएगा।”;

(ख) नियम 62 में,—

(i) उपनियम (1) में “कोई विवि व्यवसायी जो भारत के किसी सिविल न्यायालय में विधि व्यवसाय करने का हकदार हो” शब्दों के स्थान पर “प्राधिकृत प्रतिनिधि” शब्द रखे जाएंगे ;

(ii) उपनियम (i) के पश्चात् निम्नलिखित स्पष्टीकरण, अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्

“स्पष्टीकरण.—इस उपनियम के प्रयोजनों के लिए “प्राधिकृत प्रतिनिधि” का वही अर्थ होगा जो उसकी धारा 288 की उपधारा (2) के खण्ड (iii) से लेकर (vii) तक में समनुदिष्ट है।”

[सं० 807/एक०सं० 142(38)/74—टी० पी० एल०]

श्री० पी० भारद्वाज,

सचिव, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ।